

अतिरिक्त जिला कलक्टर, डीडवाना(नागौर)

केडासीन अधिकारी : बिहारी लाल मीणा, आर०ए०एस०

अपील संख्या 78/2018

जगदीश सिंह पुत्र नारायणसिंह जाति राजपूत निवासी विश्वनाथपुरा तहसील
लाडनूं जिला नागौर

.....अपीलान्त

बनाम

तहसीलदार लाडनूं जिला नागौर राज०

.....रेस्पोंडेन्ट

उपरिथत अधिवक्ता—

1—श्री महावीर प्रसाद गुजर एवं श्री विक्रम कुड़ी अधिवक्ता अपीलान्त

अपील अन्तर्गत धारा 75 एल.आर.एक्ट विरुद्ध निर्णय
तहसीलदार लाडनूं बअनुवान राज०सरकार जरिये पटवारी हल्का,
सुनारी बनाम जगदीशसिंह मु० नं० 52/18 अन्तर्गत धारा 91 एल.

आर. एक्ट दिनांक 11.09.2018

निर्णय

दिनांक : 23.01.2019

अपीलान्त की ओर से निम्न अपील पेश है :-

यह है कि प्रकरण के तथ्य संक्षेप में इस प्रकार है कि पटवारी हल्का सुनारी में
दिनांक 06.07.2018 को इस आशय की रिपोर्ट पेश की है कि उपरोक्त

अतिरिक्त जिला कलक्टर
डीडवाना (नागौर)

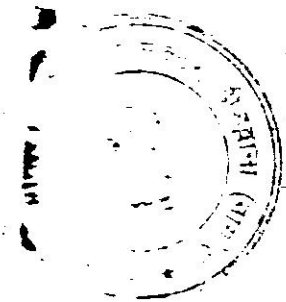


जगदीश पुत्र श्री नारायणसिंह जाति राजपूत निवासी विश्वनाथपुरा तहसील
नागौर राज0 ने खसरा नम्बर 304 रकबा 00.04 बीघा किस्म गैर
गौचर गौचर पर मकान व दिवार बनाकर राजकीय भूमि पर अतिक्रमण
करके अतिक्रमी को अतिक्रमित भूमि से वेदखल करने का निवेदन किया।
पटवारी हल्का, सुनारी की रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण दर्ज रजिस्टर
नम्बर अप्रार्थी को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 91 के
अन्तर्गत जारी कर तलब किया गया। अप्रार्थी को नोटिस तामील होकर प्राप्त
कर शामिल मिसल है। पटवारी हल्का से निर्धारित प्रपत्र में रिपोर्ट प्राप्त की
जिसमें शामिल पत्रावली की गई।

हमने हल्का पटवारी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट का भली-भांति अध्ययन एवम
विचार किया, ग्राम विश्वनाथपुरा के खसरा नम्बर 304 किस्म गैर मु0 गौचर
00.04 बीघा भूमि पर जगदीश पुत्र श्री नारायणसिंह जाति राजपूत निवासी
विश्वनाथपुरा तहसील लाडनू जिला नागौर राज0 द्वारा गौचर की भूमि पर
अतिक्रमण किया है। पत्रावली के अवलोकन से यह पाया गया कि जगदीशसिंह
पुत्र श्री नारायण जाति राजपूत निवासी विश्वनाथपुरा द्वारा पूर्व में अतिक्रमण किये
गये पर रा0 भू0 राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 91 के प्रावधानों का उल्लंघन
किये जाने पर न्यायालय तहसीलदार लाडनू में मु0 न0 52/2018 दर्ज कर
अनुसंधान के बाद निर्णय दिनांक 11.09.2018 (सरकार बनाम जगदीशसिंह) में
अतिक्रमी माना जाकर वेदखल किये जाने व सम्वत् 2075 की लगान दर 0.05
रुपये का 50 गुणा जुर्माना 05 रूपये के आदेश पारित किये हैं।

इस प्रकार उक्त अतिक्रमी माना जाकर धारा 91 एल आर एक्ट में प्रदत्त
शक्तियों के अनुसार अप्रार्थी को खसरा सं0 304 किस्म गैर मु0 गौचर रकबा 00.
04 बीघा भूमि से वेदखल किये जाने का आदेश दिया गया है। इस निष्पत्ति पर
अतिरिक्त होकर अपीलार्थी यह अपील निम्न आधार पर प्रस्तुत करता है:-

अतिरिक्त जिला कलक्टर
डीडवाना (नागौर)



--: अपील के आधार :-

1. अपीलकर्ता अर्धनस्थ न्यायालय ने निर्णय अधिन अपील पारित करने में कानूनी एवं वाक्याती भूल की है, अतः निर्णय अधिन अपील अपास्त किये जाने योग्य है।

2. अपीलकर्ता अर्धनस्थ न्यायालय ने अभिलेख पर उपलब्ध साक्ष्य को न्यायालय अधिन अपील पारित करने में कानूनी एवं वाक्याती भूल की है, अतः निर्णय अधिन अपील अपास्त किये जाने योग्य है।

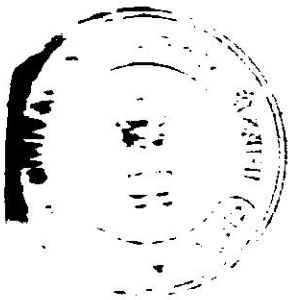
3. अपीलकर्ता अर्धनस्थ न्यायालय ने अभिलेख पर उपलब्ध साक्ष्य के न्यायालय के सामान्य सिद्धान्तों की अवहेलना करते हुए निर्णय अधिन अपील पारित करने में धोर त्रुटि की है, अतः निर्णय अधिन अपील अपास्त किये जाने योग्य है।

4. अपीलकर्ता अर्धनस्थ न्यायालय ने किसी प्रकार की कोई साक्ष्य पत्रावली को नहीं मिला है तथा ना ही पटवारी हल्का के बयान कलमबद्ध किये हैं। अपीलकर्ता/प्रार्थी को साक्ष्य सबुत का अवसर भी नहीं दिया है, इस कारण अपीलकर्ता अधिन निर्णय अपास्त किये जाने योग्य है।

5. यह कि अपीलार्थी को न्यायालय तहसीलदार लाडनू द्वारा पक्ष रखने का अवसर नहीं दिया गया ना ही पटवारी हल्का द्वारा पटवारी रिपोर्ट अपीलार्थी के समक्ष दनाई तथा ना ही अपीलार्थी के हस्ताक्षर करवाये गये हैं। इस कारण अपीलार्थी अधिन निर्णय अपास्त किये जाने योग्य है।

6. यह कि अपीलार्थी द्वारा जिस स्थान पर अतिक्रमण करना बताया गया है, उस स्थान पर अपीलान्त के रहवासीये मकानात पूर्वजों के समय से ही बने हुए हैं, तथा स्थानीय प्रशासन ग्राम पंचायत सुनारी द्वारा उक्त अवसर सन् 204 में आबादी विस्तार के लिये जिला कलक्टर नागौर को भी आबादी भूमि के लिये भूमि के आवंटन हेतु भी निवेदन किया हुआ है, जिससे स्पष्ट है कि अपीलार्थी का उक्त स्थान पर किसी प्रकार से अतिक्रमण न होकर साधिकार

अतिरिक्त जिला कलक्टर
डीडवाना (नागौर)



आपनों से काबिज होकर रहवास करते आ रहे है। जिससे भी अधिनस्थ न्यायालय का आदेश अधीन अपील अपारस्त किये जाने योग्य है।

इस है कि अपीलार्थी खसरा नम्बर 304 की भूमि में पिढियों से अपने रहवासी मकान बना कर रहा है तथा अपने रहवासी मकानात में बिजली पानी जैसी सुविधाओं के कनेक्शन भी संबंधित विभागों से ले रखे है। जिससे भी अपीलार्थी अधीन आदेश अपारस्त किये जाने योग्य हैं।

इस है कि अपीलान्त के पास उक्त रहवासीये मकानात के अलावा अन्य कोई रहवासीये मकान व जायगा ग्राम विश्वनाथपुरा में उपलब्ध नहीं है, एक मात्र उक्त भूमि में बने मकानात ही रहवास का स्थान है जहाँ से अपीलार्थी को किसी उचित कारण के ही बेदखल कर दिया जाता है अथवा वर्षों की मेहनत पसीने की कमाई से बनाये गये रहवासीय मकानात को तोड़ फोड़ कर खराब किया जाता है तो अपीलार्थी उसके परिवार खुले आसमान के नीचे जीवनादन करने के लिये मजबूर हो जावेगें। जिस पर भी अधिनस्थ न्यायालय ने कोई कार्यवाही नहीं कर उक्त आदेश पारित किया है। जिससे उपरोक्त कार्यवाही अपीलान्त के विरुद्ध ड्रॉप किया जाना न्याय हित में है।

इस है कि हल्का पटवारी ने भौतिक रूप से मौके पर बिना कोई नाप चौक किये ही नजरना तौर पर अतिकमण रिपोर्ट बनाकर अपीलान्त के विरुद्ध भासना के तहत कार्यवाही करने की अनुशंषा की है, जो मौके पर बिना कोई नाप चौक रूप से नाप चौक किये ही तहसीलदार महोदय के समक्ष रिपोर्ट सौंप कर दी, जिससे उपरोक्त अधिनस्थ न्यायालय का आदेश अपारस्त किये जाने योग्य है।

इस है कि मौके पर अपीलार्थी द्वारा उपर वर्णित खसरे में किसी प्रकार का अतिकमण नहीं किया गया है। इस कारण अपीलार्थी अधीन निर्णय अपारस्त किये जाने योग्य है।

इस है कि अन्य उजरात वर वक्त बहस अर्ज किये जावेगें।

अतिरिक्त जिला क्लर्क
डीडवाना (नागर)

अपील श्रीमान के क्षेत्राधिकार व श्रवणाधिकार की है व अगस्त 2018 है।

अपील अपीलार्थी मय शपथपत्र प्रस्तुत कर निवेदन है किया है म.सं. 11.09.18 को पारित आदेश व निर्णय जैर अपील को अपारत व न्याय के ज्ञाने की कृपा करावे।

अधिवक्ता अपीलान्त ने यह अपील दिनांक 11.10.18 को प्रस्तुत की दिनांक 15.10.18 को दर्ज रजिस्टर की गयी। रैस्पॉन्डेंट को जरिय न्याय कलक किया गया। दिनांक 16.11.18 को अधिनस्थ न्यायालय न्यायक लाडनू द्वारा प्रेषित रिकॉर्ड इस न्यायालय को प्राप्त हुआ दिनांक 18.11.18 को मिसल किया गया।

अपीलान्त के विद्वान अधिवक्ता की बहस सुनी गयी। अपीलान्त के उपलब्ध रिकार्ड का अवलोकन किया गया। प्रस्तुत अपील अपीलार्थी द्वारा ग्राम विश्वनाथपुरा के खसरा नम्बर 304 व 305 की बीघा में से 0.04 बीघा गैर मु0 गोचर पर मकान व मकानाकार राजकीय भूमि पर अतिक्रमण करने पर अपीलार्थी को न्याय नायब तहसीलदार लाडनू द्वारा अतिक्रमि घोषित कर न्याय से बेदखल किया गया तथा धारा 91 भू-राजस्व अधिनियम 1956 के तहत जुर्माना रूपये 05/- अक्षरे रूपये पांच का न्याय से अतिक्रमि घोषित किया गया तथा वेदखली के आदेश दिये गये।

अपीलान्त ने अधिनस्थ न्यायालय नायब तहसीलदार लाडनू को न्याय जवाब में बताया कि सुनवाई के वगैर निर्णय किया गया है। न्याय मुतनाजा भूमि पर रहवासीये मकानात पर्वजों के समय न्याय से बेदखल है तथा बिजली पानी कनेक्शन भी ले रखे है। तथा

अतिरिक्त जिला क्लर्क
डीडवाना (नागौर)

आदेश लिये जिला कलक्टर नागौर से भी आबादी भूमि के लिये
नोटिस भी निवेदन किया हुआ है।

मुतनाजा सार्वजनिक प्रयोजनार्थ आराजी है। जिसमें धारा 18 आर.
अनुसार मुतनाजा भूमि पर किसी प्रकार के खातेदारी अधिकार प्राप्त नहीं
है। इस गौचर भूमि पर ग्राम पंचायत द्वारा आबादी का पट्टा जारी
कराया गया है तथा यह भी साबित नहीं होता कि अपीलान्त का
अपीलान्त नहीं दिया गया है, क्योंकि अपीलान्त द्वारा दिनांक 11.9.
2018 को आदेश पेश किया जो पत्रावली पर उपलब्ध है। अधिनस्थ
पत्रावली पर उपलब्ध प0ह0 सुनारी व भू0आ0नि0 की, रिपोर्ट
के अनुसार जगदीश सिंह पुत्र नारायणसिंह को मकान व दिवार
भूमि बहाल किया गया है। तथा मुतनाजा भूमि आबादी विस्तार भूमि
का क्षेत्रफल 304 किस्म गै0मु0 गोचर में स्थिति बताया है। अतः
अपीलान्त दिनांक 11.09.18 को किया गया निर्णय विधि सम्मत

:::: आ दे श ::::

अपीलान्त की अपील खारीज की जाकर अधिनस्थ
आदेश दिनांक 11.09.18 बहाल रखा जाता है।

(बिहारी लाल मीणा)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
डीडवाना (नागौर)

आदेश दिनांक 23.01.2019 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की
मुद्रा न्यायालय में सुनाया गया।

(बिहारी लाल मीणा)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
डीडवाना (नागौर)